प्रश्न-पत्र
विषय:हिन्दी (ऐच्छिक)
कक्षा: 10+1 (Session : 2020-21)

समय: 3 घँटे पूर्णांक : 85

विशेष निर्देश:

(i) परीक्षार्थी यथा संभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न-पत्र पर दर्शाई गई है। उत्तरपुस्तिका पर वही प्रश्न संख्या लिखना अनिवार्य है।

(iii) अपनी उत्तर-पुस्तिका में खाली पन्ना/पन्ने मत छोडिए।

(iv) सुलेख का विशेष ध्यान रखिए।

(v) कोविड-19 महामारी को ध्यानार्थ रखते हुए सत्र 2020-21 के लिए 30% अतिरिक्त वैकल्पिक प्रश्न जोडे गए हैं।

(vi) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

लोकमान्य तिलक का कथन है- मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करूंगा क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहां वे होंगी, वहां अपने आप स्वर्ग बन जाएगा।'' श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी-न-किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय अब्राहिम लिंकन- सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्त्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रांति की भावना कार्ल-मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। किसी भी जाति के उत्कर्ष या अपकर्ष का लेखा-जोखा उसके साहित्य से पता चलता है। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यंत उत्कृष्ट

schools.aglasem.com
aglasem.com

पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ता है तथा पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य को पशु से देवता बनाती हैं। उसकी सात्विक प्रवृत्तियों को जाग्रत करती हैं उसे असत्य से सत्य की ओर अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलती है।

प्रश्न:-

(क) तिलक ने क्यों कहा कि वे नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करेंगे? 2

(ख) श्रेष्ठ पुस्तकों का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ग) विचारों के युद्ध में पुस्तकें दी क्यों अस्त्र है? 2

(घ) किस युग को भारतीय इतिहास का स्वर्णयुग कहा जाता है? 2

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए? 2

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

प्याला है, पर पी पायेंगे
है ज्ञात नहीं इतना हमको
इस पर नियति ने भेजा है,
असमर्थ बना कितना हमको;
कहने वाले पर, कहते हैं
हम कर्मो से स्वाधीन सदा;
करने वालों की परवशता
है ज्ञात किसे, जितनी हमको;
कह तो सकते हैं, कहकर ही
कुछ दिल हल्का कर लेते हैं
उस पार अभागे मानव का
अधिकार न जाने क्या होगा।
इस पार प्रिये तुम हो। मधु है
उस पार न जाने क्या होगा॥

schools.aglasem.com
aglasem.com

प्रश्न:-

(क) 'इस पार' 'उस पार' से कवि का क्या अभिप्राय है?

(ख) प्याला है, पी जायेंगे। है ज्ञात नहीं इतना हमको' से क्या भाव है?

(ग) इस संसार में हमें किसने विवश बनाकर भेजा है?

(घ) 'हम कर्म के लिए स्वतंत्र नहीं है, यह कौन जानता है?

(ङ) कवि अपनी प्रिया को इस दुनिया में खुश रहने के लिए क्या कहता है? 7

3. संचार की परिभाषा बताते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

(i) रेडियो (ii) टेलीविज़न।

अथवा

आपके स्कूल में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस समारोह का प्रतिवेदन तैयार कीजिए? 5

4. समाचार क्या है? इसकी विभिन्न परिभाषाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

संपादन का अर्थ स्पष्ट करते हुए संपादन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पत्रकारिता क्या है? इसकी परिभाषा दीजिए? 4

5. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए:-

(क) नारी शिक्षा का महत्त्व

(ख) परिश्रम: सफलता की कुंजी है।

(ग) प्रदूषण से पर्यावरण की रक्षा

(घ) मेरे प्रिय नेता

(ङ) योग शिक्षा का महत्त्व

(च) मेरा हिमाचल 4

schools.aglasem.com
aglasem.com

6. मित्र अथवा भाई को कक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखें।

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रदेश के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करते हेतु अनुमति मांगने के लिए प्रर्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

बढ़ती मंहगाई की समस्या पर किसी दैनिक समाचार पत्र सम्पादक के नाम पत्र लिखिए। 4

7. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:-

खेलन में को काको गुसैयाँ
हरि हारे जीते श्रीदामा, बरबस ही कत करत रिसैयाँ।
जाति-पाँति हमतैं बड़ नाहीं; नाहीं बसत तुम्हारी छैयाँ।
अति अधिकार जनावत यातै जातैं अधिक तुम्हारै गैयाँ।।
रुठहि करै तासौं को खेलै, रहे बैठि जहँ-तहँ ग्वैयाँ।
सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत, दाऊँ दियौ करि नंद-दुहैयाँ।।

अथवा

बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बन्धन सजीले?
पंथ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले?
विश्व का क्रंदन भुला देगी मधुप की मधुर गुनगुन,
क्या डुबा देंगे तुझे यह फूल के दल ओस-गीले?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना!
जाग तुझको दूर जाना!

अथवा

पिता की आँखे-
लोह सांय सी ठंडी शलाखें है
बेटी की आंखे मंदिर में दीवट
पर जलते घी के दो दिए हैं।

schools.aglasem.com
aglasem.com

पत्नी की आँखे आँखे नहीं
हाथ हैं, जो मुझे थामे हुए हैं। 5

8. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) बालम आवो हमारे गेह रे में कवि किसका आह्वान कर रहा है और क्यों ?

(ख) 'कामिन को है बालम प्यारा ज्यौं प्यासे को नीर रे' से कवि का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) कृष्ण ने नंद बाबा की दुहाई देकर दाँव क्यों दिया?

(घ) कस्तूरी मृग के अपने पर ही चिढ़ने के क्या कारण है?

(ङ) पत्नी की आँखे आँखे नहीं हाथ है जो मुझे थामे हुए हैं से कवि का क्या अभिप्राय है?

(च) महादेवी वर्मा ने 'आँसू' के लिए 'उजले' विशेषण का प्रयोग किस संदर्भ में किया है और क्यों 3×2=6

9. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए:

सुनि री सखी जदपि नंदलालहिं नाना भाँति नचावति।
राखति एक पाई ठाढ़ौ करि, अति अधिकार जनावति।

अथवा

संसृति के प्रति पग में मेरी
साँसो का नव अंकन चुन लो,
मेरे बनने-मिटने में नित
अपनी साधों के क्षण गिन लो!

अथवा

माँ की आँखें पड़ाव से पहले ही तीर्थ-यात्रा की बस के दो पंचर पहिए हैं। 6

schools.aglasem.com
aglasem.com

10. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:-

(क) पद्माकर

(ख) महादेवी वर्मा

(ग) नागार्जुन

(घ) कबीर दास 4

11. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:-

अब तो कुल दो आने पैसे बच रहे हैं। तीन पैसे हामिद की जेब में, पाँच अमीना के बटुवे में। यही तो बिसात है और ईद का त्योहार, अल्लाह ही बेड़ा पार लगाए। धोबन और नाइन और मेहतरानी और चूड़िहारिन सभी तो आएंगी। सभी को सेवैयाँ चाहिए और थोड़ा किसी की आँखों नही लगता। किस-किस से मुँह चुराएगी। और मुँह क्यों चुराए? साल भर का त्योहार है। जिंदगी खैरियत से रहे, उनकी तकदीर भी तो उसी के साथ है। बच्चे को खुदा सलामत रखे, ये दिन भी कट जाएँगे।

अथवा

करुणा ने सबको घेर लिया। वह बोलने की कितनी जबर्दस्त कोशिश करता है। लेकिन नतीजा कुछ नही केवल कर्कश काँय-काँय का ढेर! अस्फुट ध्वनियों का वमन जैसे आदिम मानव अभी भाषा बनाने में जी जान से लड़ रहा हो।

अथवा

जो लोग अपने को देश हितैषी लगाते हों वह अपने सुख को होम करके, अपने धन और मान का बलिदान करके कमर कस के उठो। देखादेखी थोड़े दिन में सब हो जाएगा। अपनी खराबियों के मूल कारणों को खोजो। कोई धर्म की आड़ में, कोई देश की चाल की आड़ में, कोई सुख की आड़ में छिपे हैं। उन चोरों को वहाँ से पकड़-पकड़कर लाओ। उनको बांध-बांधकर कैद करो। 5

12. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) 'उन्हे क्या खबर कि चौधरी आज आँखे बदल लें तो यह सारी ईद मुहर्रम हो

schools.aglasem.com
aglasem.com

जाए- इस कथन का आशाय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'दोपहर का भोजन' कहानी के सबसे जीवंत पात्र के चरित्र की दृढ़ता का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

(ग) भव्य पुरुष ने कहा- 'जहाँ अंधकार है वही प्रकाश हैं' इसका क्या तात्पर्य है?

(घ) गूँगे ने अपने स्वाभिमानी होने का परिचय किस प्रकार दिया?

(ङ) ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई के जीवन से प्रेरित होकर आप समाज़ में क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

(च) जिस प्रकार ट्रेन बिना इंजिन के नहीं चल सकती ठीक उसी प्रकार 'हिंदुस्तानी लोगों को कोई चलाने वाला हो' से लेखन ने अपने देश की खराबियों के मूल कारण खोजने के लिए क्यों कहा है? 2+2+2=6

13. निम्नलिखित में से किसी एक साहित्कार का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) हरिशंकर परसाई

(ख) सुधा अरोड़ा

(ग) भारतेंदु हरिश्चंद्र 6

14. निम्नलिखित में किन्ही दो प्रशनों के उत्तर दीजिए:-

(क) 'पराया घर तो लगता ही है, भाभी' अपनी भाभी-भाई के कमरे में श्याम को पराएपन का अहसास क्यों होता है?

(ख) एकांकी में अम्मा की जो तसवीर उभरती है, अंत में वह बिल्कुल बदल जाती है-टिप्पणी कीजिए। 3+3=6

(ग) राधा के चरित्र की ऐसी कौन सी विशेषताएँ हैं जिन्हें आप अपनाना चाहेंगे?

(घ) सरदार सोभा सिंह को धौलाधार का संत क्यों कहा जाता है?

15. (क) 1942 से नोराह रिचर्डस से मिलने पहुँचे सरदार सोभा-सिंह पर अन्द्रेटा के वातावरण का क्या प्रभाव पड़ा?

अथवा

आपको शरत और उसके पिता मोतीलाल के स्वभाव में क्या समानताएँ नज़र आती हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

schools.aglasem.com
aglasem.com

अथवा

सरकार की धूम्रपान न करने की वैधानिक चेतावनी और बड़े-बुजुर्गों की धूम्रपान की मनाही के पीछे कौन से कारण है? 4

(ख) सोभा सिंह द्वारा बनाए चित्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

पाठ के अधार पर बताइए कि उस समय और वर्तमान समय के पढ़ने-पढ़ाने के तौर-तरीके में क्या अंतर और समानताएँ हैं? आप पढ़ने-पढ़ाने के कौन से तौर-तरीकों के पक्ष में है और क्यों?

अथवा

नाना के घर में किन-किन बातों का निषेध था? शरत् को उन निषिद्ध कार्यों को करना क्यों प्रिय था? 3

aglasem
schools.aglasem.com
Sem Earn while Learn Program. Send your papers and get p
Contact: support@aglasem.com aglasem.com